

पृतिलिपि आदेशादिनांक 11-8-14 पारित द्वारा श्रा अटेक शिखरे
सदस्य राजस्व मण्डल मरम्म० रवालियर पुङ्क० निम्ना० 2144-तोन/14
विरुद्ध आदेशादिनांक 30-4-14 पारित द्वारा राजस्व निरादेक
मण्डल पृथ्वीपुर पूकरणक्षमाक रा०नि/14 विधान०

कमलतिह तन्य छानकतिह ठाकुर
निवासो बिन्दूपरा वार्ड न० 14
पृथ्वीपुर जिला टोकमगढ म०प्प०

--- आवेदक

विरुद्ध

तहसोलदार महादेय पृथ्वीपुर
छोड्य तहसोल पृथ्वीपुर
जिला टोकमगढ म०प्प० अन्य-७

--- अनावेदकगण

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकार्यक्रम तथा नावकों आदि के हस्ताक्षर
२३.७.१५	<p style="text-align: center;">आवेदक समीक्षक के हस्ताक्षर</p> <p style="text-align: center;">उपलेख उमेर ग्राम पर सुप. बाई </p> <p style="text-align: center;">फॉर्म नं. ५५ डेस्ट्राइब।</p> <p style="text-align: right;"><i>(Signature)</i> १२४८</p>	
११.८.२०१५	<p>म. प. भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत यह निगरानी राजस्व निरीक्षक वृत्त पृथ्वीपुर द्वारा तहसीलदार पृथ्वीपुर को प्रस्तुत सीमांकन प्रतिवेदन क. रा. नि./14 दिनांक 30-4-14 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक को ग्राहयता पर सुना तथा प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>3/ आवेदक के अभिभाषक ने बताया कि राजस्व निरीक्षकों की टीम ने मौके पर कोई सीमांकन नहीं किया, कार्यालय में बैठक तैयार किये अभिलेख पर सीमांकन प्रतिवेदन दिया है जो गलत है। निगरानी सुनवाई में ली जाकर अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख मंगाया जावे।</p> <p>4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एंव राजस्व निरीक्षक के प्रतिवेदन दि. 30-4-14 के अवलोकन से ग्राम बिन्दपुरा के शासकीय शाला भवन की भूमि स. क. 710/1/1/2 का राजस्व निरीक्षकों एंव पटवारियों के गठित दल ने दि. 29-4-14 को मौके की रिथित अनुसार सीमांकन कर प्रतिवेदन दिया गया है, जो अंतिम नहीं है क्योंकि सीमांकन पर निर्णय तहसीलदार द्वारा लिया जाना है और आवेदक को तहसीलदार के समक्ष अपना पक्ष रखने का उपचार प्राप्त है।</p> <p>5/ जहां तक सीमांकन मौके पर न किये जाने वाले उठाई गई आपत्ति का प्रश्न है? सीमांकन दल द्वारा ग्राम में मौके पर पहुंचकर सीमांकन कार्यवाही करने के उपरान्त ग्रामीणों के समक्ष पंचनामा बनाया है जिस पर सभी ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं। सीमांकन प्रतिवेदन के अवलोकन से यह तथ्य भी परिलक्षित है कि आवेदक एंव अन्य ८ व्यक्ति शासकीय शाला भवन की भूमि पर मकान बनाकर अतिक्रमण किये हुये हैं वैसे भी यदि आवेदक निर्मित किये गये मकान की भूमि स्वयं की होना सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रमाणित करे, वह निज भूमि का सीमांकन कराने हेतु स्वतंत्र है। ऐसी रिथित में आवेदक द्वारा की गई निगरानी सारहीन पाये जाने से अमान्य की जाती है। पक्षकार टीप</p> <p style="text-align: right;"><i>(Signature)</i> १२४८</p>	

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 2144— तीन/2014

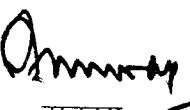
स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

जिला टीकमगढ़

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों के
हस्ताक्षर

करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा
किया जावे।


सदस्य